

**सज्जाकला स्त्री.** (तत्.) वस्तुओं, स्थानों आदि को अच्छी तरह सजाकर आकर्षक तथा मनोहर बनाने की कला या विद्या।

**सज्जाद वि.** (अर.) सिजदा करने वाला, पूजक, उपासक।

**सज्जाद नशीन पुं.** (अ.फा.) [सज्जाद+नशीन] गद्दीधर, महंत, फकीर (मुसलमानों में वह पीर या फकीर जो गद्दी और तकिया लगाकर बैठता हो)।

**सज्जादा पुं.** (तत्.) 1. नमाज पढ़ने का आसन 2. पीरों, फकीरों आदि की गद्दी 3. साधु, संत की गद्दी, आसन।

**सज्जित वि.** (तत्.) 1. आवश्यक उपकरणों से युक्त 2. सजा हुआ, तैयार, अलंकृत 3. हथियारों से लैस।

**सज्जी स्त्री.** (तद्.) एक प्रकार की क्षारयुक्त मिट्टी।

**सज्जीखार पुं.** (तद्.) दे. 'सज्जी'।

**सज्जुता स्त्री.** (तत्.) एक प्रकार का छंद।

**सझिया पुं.** (तद्.) साझीदार, हिस्सेदार, साझा।

**सटपटाना अ.क्रि.** (देश.) संकोच करना, हिचकिचाना, भौचक्का होना, सरपट शब्द करना।

**सटर-पटर वि.** (अनु.) 1. छोटा-मोटा, तुच्छ वस्तु 2. बहुत ही साधारण और सामान्य 3. झंझट, बखेड़ा।

**सटाना स.क्रि.** (अनु.) 1. जोड़ना, चिपकाना, मिलाना 2. दो वस्तुओं के पार्श्वों को आपस में मिलाना 3. लाठी, डंडे आदि से लड़ाई करना।

**सटीक वि.** (तत्.) टीका, व्याख्या से युक्त, बिल्कुल ठीक, टीका सहित, जिसमें मूल के साथ टीका भी हो।

**सटैया वि.** (देश.) कम, गुण या मूल्य वाला, निकम्मा, घटिया, बेकार, टीका, व्याख्या से युक्त, बिल्कुल ठीक, टीका सहित, जिसमें मूल के साथ टीका भी हो।

**सटैला पुं.** (देश.) एक प्रकार का पक्षी।

**सटोरिया पुं.** (देश.) व्यक्ति जो सट्टा खेलने का शौकीन हो, सट्टेबाज।

**सट्टी स्त्री.** (देश.) वह बाजार जिसमें एक ही मेल की बहुत सी वस्तुएँ लोग दूर-दूर से लाकर बेचते हों, हाट जैसे- तरकारी की सट्टी, फलों की सट्टी।

**सट्ट पुं.** (देश.) दरवाजे की चौखट में दोनों पार्श्वों में लगायी जाने वाली लकड़ियाँ।

**सट्टक पुं.** (तत्.) प्राकृत भाषा में रचित एक उपरूपक, जीरा मिला हुआ तक्र, एक छंद का नाम।

**सट्टा पुं.** (तत्.) 1. इकरारनामा, बाजार 2. वह इकरारनामा जो दो पक्षों में कोई निश्चित काम करने या कुछ शर्तें पूरी करने के लिए होता है 3. काश्तकारों में खेत की उपज के बट्टवारे के संबंध में होने वाला इकरारनामा 4. साधारण व्यापार से भिन्न क्रय-विक्रय का एक कल्पित प्रकार जिसमें लाभ-हानि का निश्चय भाव के उतरने-चढ़ने के हिसाब से होता है और इसीलिए जिसकी गिनती एक प्रकार के जूए में होती है स्त्री. 1. एक प्रकार का पक्षी 2. बाजा। speculation

**सट्टा-बट्टा पुं.** (तत्.) 1. छलपूर्ण युक्ति, धूर्ततापूर्ण युक्ति, चालबाजी 2. किसी प्रकार की अभिसन्धि के रूप में किसी के साथ किया जाने वाला मेल-जोल।

**सट्टेबाज पुं.** (तत्.) अधिक लाभ की आशा से जोखिम उठाते हुए भी वस्तुओं का सौदा करने वाला, सटोरिया। speculator

**सठियाना अ.क्रि.** (देश.) साठ वर्ष की अवस्था का होना, वृद्ध होना, वादर्थक्य के कारण मानसिक शक्ति का हास होना।

**सठुरी स्त्री.** (देश.) गेंहूँ, जौ आदि के डंठलों का वह गठीला अंश जिसका भूसा नहीं होता और जो ओसाकर अलग कर दिया जाता है, गठुरी, कूँटा, कूँटी।

**सठेरा पुं.** (देश.) सन का बिना छाल का डंठल, संठा, सनई, सलई, सरई।